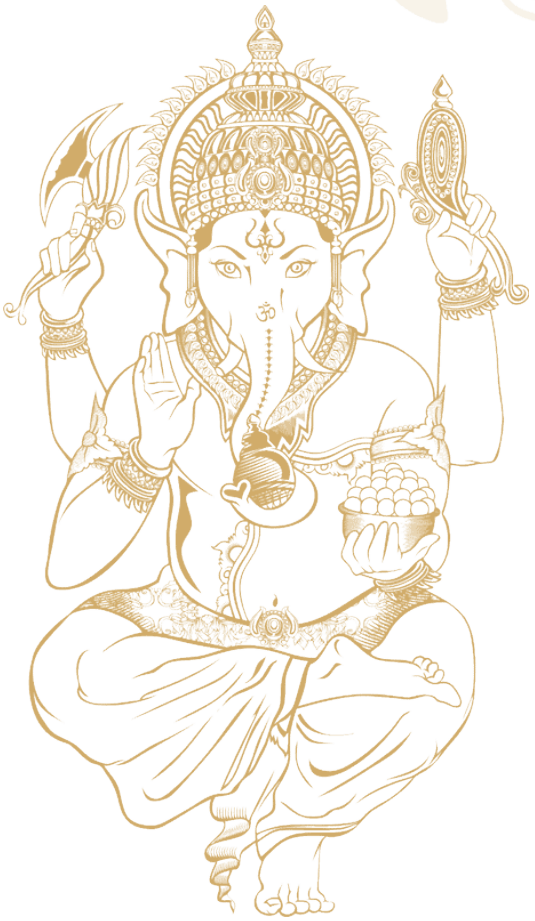

??????? ??????

13 Mar 2002

02:37 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017 **Order No: 121570001**

तिथि 13/03/2002 **समय** 14:37:00 **वार** बुधवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:52:59
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	01:39:11 घं
वेलान्तर	00:09:34 घं
सूर्योदय	06:33:50 घं
सूर्यास्त	18:28:00 घं
चैत्रादि संवत	2058
शक संवत	1923
मास	फाल्गुन
पक्ष	कृष्ण
तिथि	15
नक्षत्र	पू०भाद्रपद
योग	साध्य
करण	चतुष्पाद

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(रा.-न.)	लौह-लौह
होरा	चंद्र
चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी

गुरु 14वर्ष 8मा 22दि
शनि
03/12/2016
04/12/2035

शनि	07/12/2019
बुध	16/08/2022
केतु	25/09/2023
शुक्र	25/11/2026
सूर्य	07/11/2027
चन्द्र	07/06/2029
मंगल	17/07/2030
राहु	23/05/2033
गुरु	04/12/2035

योगिनी

भ्रामरी 3वर्ष 8मा 5दि
संकटा
17/11/2023
17/11/2031

संकटा	28/08/2025
मंगला	17/11/2025
पिंगला	28/04/2026
धान्या	28/12/2026
भ्रामरी	17/11/2027
भद्रिका	27/12/2028
उल्का	28/04/2030
सिद्धा	17/11/2031

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			09:40:11	कर्क	पुष्य	2	शनि	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			28:43:32	कुंभ	पू०भाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि	1.48	आत्मा	पितृ	जन्म
चंद्र			21:03:37	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	गुरु	सम राशि	1.32	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल			14:24:27	मेष	भरणी	1	शुक्र	शुक्र	स्वराशि	1.68	मातृ	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			08:15:38	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	राहु	सम राशि	1.05	कलत्र	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु			11:57:57	मिथु	आर्द्रा	2	राहु	शनि	शत्रु राशि	1.12	ज्ञाति	धन	अतिमित्र
शुक्र			12:43:15	मीन	उ०भाद्रपद	3	शनि	मंगल	उच्च राशि	0.97	पुत्र	कलत्र	सम्पत
शनि			15:10:13	वृष	रोहिणी	2	चंद्र	गुरु	मित्र राशि	1.14	भ्रातृ	आयु	वध
राहु	व		28:40:33	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	शनि	मित्र राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु	व		28:40:33	वृश्चि	ज्येष्ठा	4	बुध	शनि	मित्र राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

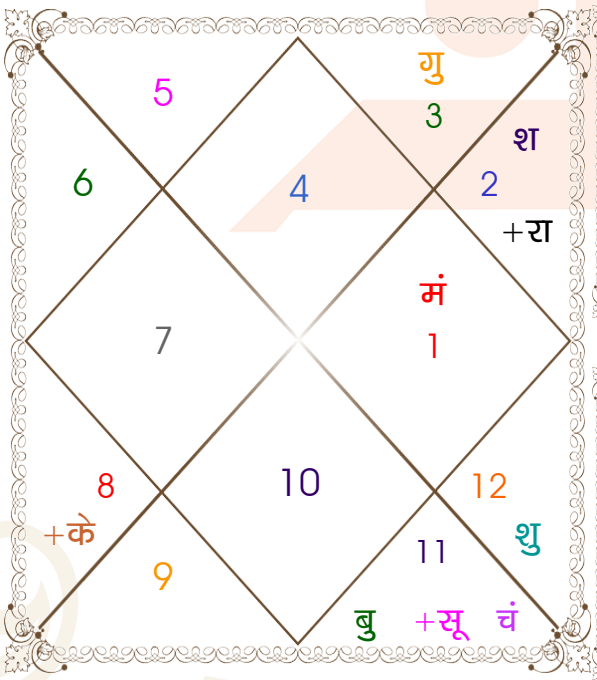

चन्द्र कुंडली

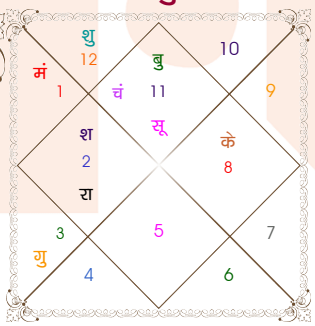

नवमांश कुंडली

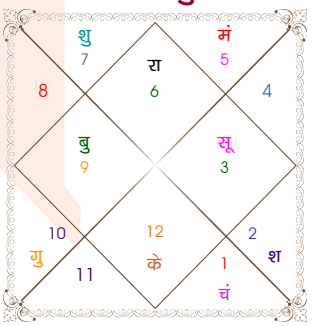

सर्वाष्टकवर्ग

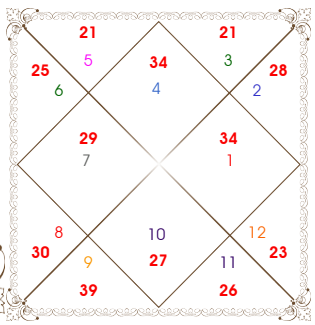

दशमांश कुंडली

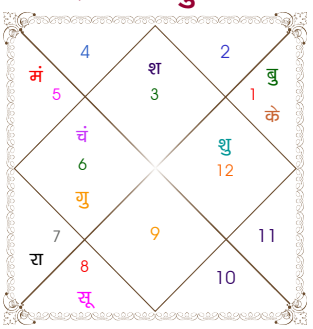

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आपको स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी जिससे शरीर में दुर्बलता की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप उद्विग्न तथा अशान्त रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्यों तथा मानसिक संकल्पों में अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद का वातावरण विद्यमान रहेगा। स्त्री से भी आपके विशेष मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा आपसी मतभेद उत्पन्न होंगे फलतः दाम्पत्य संबंधों में तनाव रहेगा। इस वर्ष यात्रा यत्न पूर्वक उपेक्षा करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी साथ ही यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है। भौतिक सुख संसाधनों में भी इस समय अल्पता रहेगी तथा मित्र एवं संबंधियों से भी परस्पर तनावपूर्ण संबंध रहेंगे तथा जिससे आपको कोई विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से भी वर्ष मध्यम रहेगा तथा इसमें समय समय पर अनावश्यक समस्याएं रहेगी तथा लाभ मार्गो में भी बाधाएं आएंगी। अतः ऐसे समय में किसी नवीन कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए। नौकरी या राजनीति में भी आप की पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा अधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें परेशानी उत्पन्न होगी। साथ ही समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को मध्य नजर रखते हुए बुद्धिमता एवं धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इससे कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप अशान्ति या उद्विग्नता की अनुभूति करेंगे। इस वर्ष में आपकी बुद्धि मध्यम रहेगी अतः जो भी कार्य आप प्रारंभ करेंगे उनमें समय समय पर बाधाएं आएंगी तथा सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। संतति पक्ष के लिए समय मध्यम रहेगा तथा उनसे आपको सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा तथापि अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नतिशील रहेंगे।इस समय परिश्रम एवं संघर्ष से आपको भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति हो सकेगी साथ अन्यत्र द्रव्य लाभ भी प्राप्त होगा।इस वर्ष आप विलासमय समय व्यतीत करने के इच्छुक रहेंगे परन्तु इसमें आपको सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष संघर्ष एवं परिश्रम पूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपके उन्नति मार्ग अवरूद्ध होंगे साथ ही लाभ भी अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा जिससे आप असन्तुष्ट से रहेंगे।साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु उसमें अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न होंगी। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपके संबध रहेंगे परन्तु उनसे आपको विशेष लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। धर्म एवं धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथापि आप दिखावे के रूप में इनका पालन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी विलम्ब से सिद्ध होंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें तभी आपको किंचित शान्ति की अनुभूति हो सकेगी।

प्रथम मास

13/03/2026 18:22:41 से 13/04/2026 02:20:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:20:28
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:43:32
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:14:47
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	14:23:42
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	16:59:56
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	20:52:19
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	14:35:05
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:01:25
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:40:44
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:40:44
मुंथा		कर्क	पुष्य	09:40:11

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

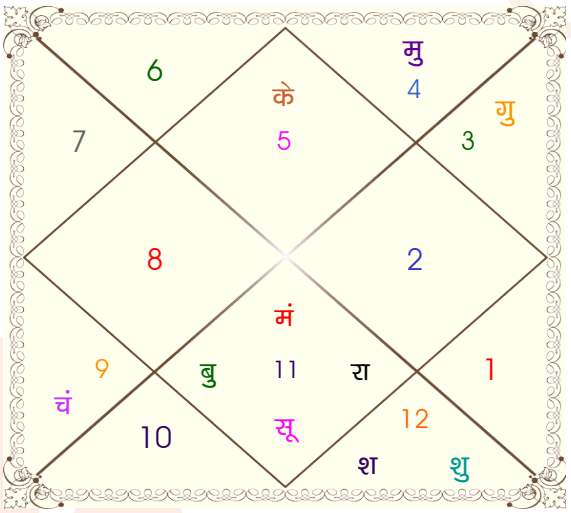

इस मास में आपको शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से आपका इस समय व्यय अधिक होगा एवं दुष्ट मनुष्यों की आपको संगति प्राप्त होगी। सामान्य रूप से आप शारीरिक अस्वस्थता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से भी अल्प मात्रा में ही कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा की भावना उत्पन्न होगी तथा अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। साथ ही मित्रों एवं संबन्धियों से सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस समय आपकी नौकरी या व्यापार में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुओं से भय एवं चिन्ता नित्य बनी रहेगी। साथ ही जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी तथा यदाकदा आप मन में बैचेनी भी अनुभव करेंगे।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे ।अतः आप पुत्र एवं स्त्री का सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है।

द्वितीय मास

13/04/2026 02:20:30 से 13/05/2026 22:40:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	13:53:48
सूर्य		मीन	रेवती	28:43:32
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	29:14:53
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	08:08:55
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	02:39:37
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:31:28
शुक्र		मेष	भरणी	21:59:06
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:47:08
राहु		कुम्भ	शतभिषा	13:53:22
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:53:22
मुंथा		कर्क	पुष्य	12:10:11

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

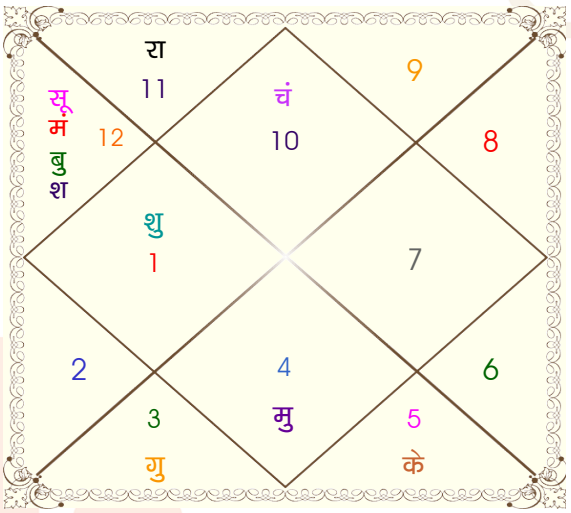

यह मास आपके लिए काफी अशुभ एवं परेशानी उत्पन्न करने वाला होगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं शत्रुओं की ओर से भी नित्य चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। आपके उत्साह में भी इस मास अल्पता रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा।जिससे आर्थिक परेशानी हो सकती है।साथ ही आप शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे तथा मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। स्वबन्धुजनों से भी आपके सम्बन्धों में मधुरता का अभाव रहेगा एवं तनाव का भाव रहेगा जिससे मित्र भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे। अतः मानसिक तनाव से आप ग्रस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से विवाद या संघर्ष की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है अतः सावधानी पूर्वक समय अनुसार चलने का प्रयत्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस मास में अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास
13/05/2026 22:40:25 से 14/06/2026 04:52:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:41:03
सूर्य		मेष	कृतिका	28:43:32
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	15:42:55
मंगल		मेष	अश्विनी	01:49:59
बुध		मेष	कृतिका	27:39:15
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	26:36:47
शुक्र		वृष	मृगशिरा	29:23:21
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:17:42
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:32:51
केतु	व	सिंह	मघा	11:32:51
मुंथा		कर्क	पुष्य	14:40:11

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

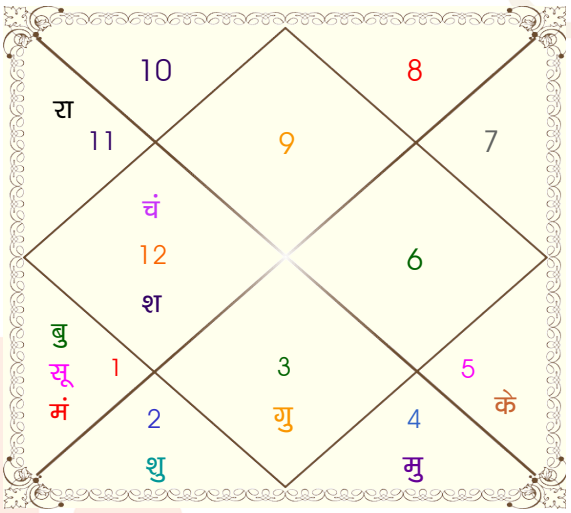

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। अतः शत्रु पक्ष से आप चिन्तित रहेंगे तथा ये आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः चोरों से आपको सावधान रहना चाहिए। इस महीने में आपका अनावश्यक धन का व्यय होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा न ही आप इसका अनुपालन करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक रूप से कष्ट की अनुभूति करेंगे फलतः आपकी शारीरिक शक्ति का ह्रास होगा। साथ ही इस महीने आप घर से दूर किसी यात्रा पर भी जा सकते हैं। सांसारिक कार्यों में भी आपको कष्ट होगा तथा मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी एसे कार्य को भी आप सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी मान प्रतिष्ठा को आघात पहुचेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आप किसी प्रकार से हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

चतुर्थ मास
14/06/2026 04:52:30 से 15/07/2026 15:36:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	20:19:08
सूर्य		वृष	मृगशिरा	28:43:32
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:16:49
मंगल		मेष	भरणी	25:04:10
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	23:06:46
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	02:22:45
शुक्र		कर्क	पुष्य	06:22:59
शनि		मीन	रेवती	19:00:29
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:14:06
केतु	व	सिंह	मघा	08:14:06
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	17:10:11

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

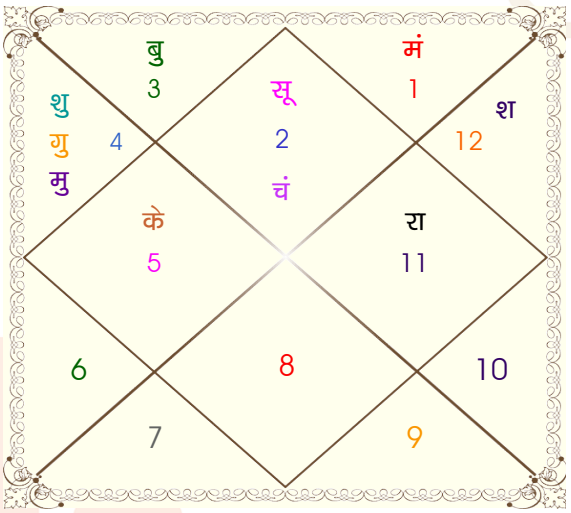

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
15/07/2026 15:36:01 से 16/08/2026 00:09:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	07:59:53
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	28:43:32
चन्द्र		कर्क	पुष्य	12:52:58
मंगल		वृष	रोहिणी	17:28:22
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:59:53
गुरु		कर्क	पुष्य	09:03:59
शुक्र		सिंह	मघा	12:04:31
शनि		मीन	रेवती	20:24:33
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:00:21
केतु	व	सिंह	मघा	06:00:21
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	19:40:11

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

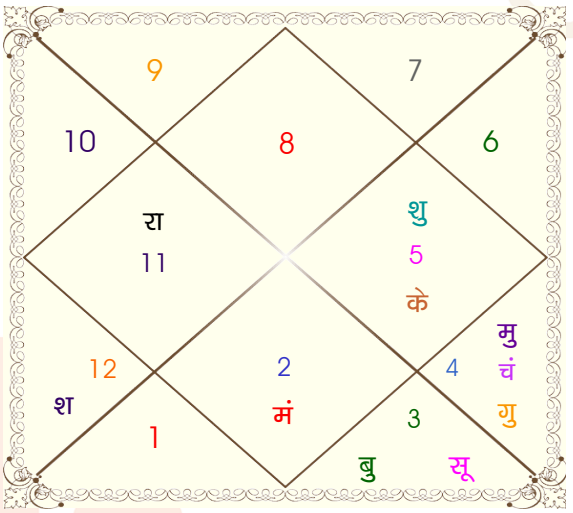

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

16/08/2026 00:09:28 से 16/09/2026 00:30:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	11:11:40
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	28:43:32
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:11:11
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	08:41:15
बुध		कर्क	पुष्य	16:29:50
गुरु		कर्क	पुष्य	15:59:08
शुक्र		कन्या	हस्त	14:35:56
शनि	व	मीन	रेवती	20:10:57
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:59
केतु		सिंह	मघा	05:33:59
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	22:10:11

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

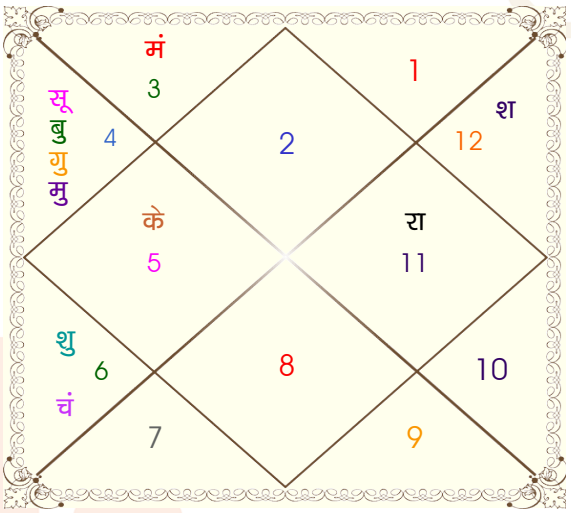

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सप्तम् मास
16/09/2026 00:30:31 से 16/10/2026 13:01:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	15:28:42
सूर्य		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:43:32
चन्द्र		तुला	विशाखा	24:43:32
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	28:22:32
बुध		कन्या	हस्त	14:10:19
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:29:19
शुक्र		तुला	स्वाति	09:03:18
शनि	व	मीन	रेवती	18:29:44
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:21:42
केतु	व	सिंह	मघा	05:21:42
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	24:40:11

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

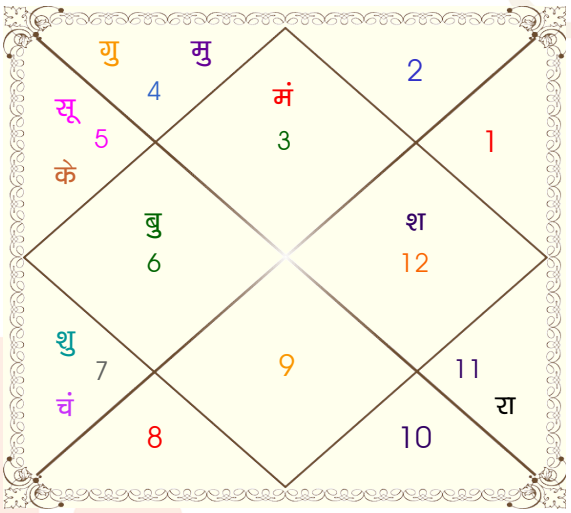

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
16/10/2026 13:01:13 से 15/11/2026 13:21:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:17:03
सूर्य		कन्या	चित्रा	28:43:32
चन्द्र		धनु	मूल	03:05:04
मंगल		कर्क	पुष्य	16:07:32
बुध		तुला	विशाखा	23:18:25
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:55:06
शुक्र	व	तुला	स्वाति	10:58:16
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:09:07
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:52:31
केतु	व	सिंह	मघा	03:52:31
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	27:10:11

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

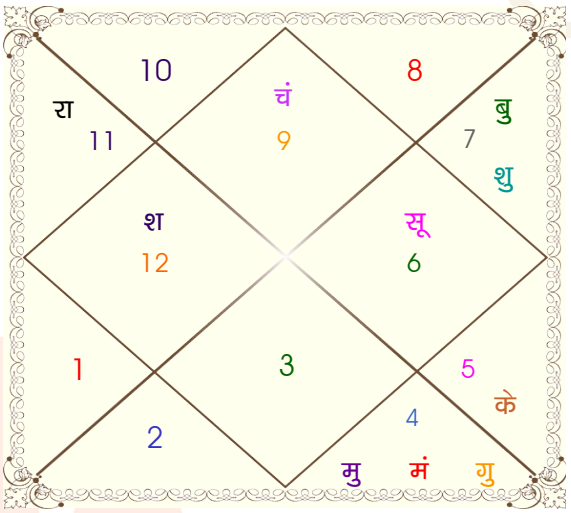

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास
15/11/2026 13:21:11 से 15/12/2026 04:20:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	07:04:03
सूर्य		तुला	विशाखा	28:43:32
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:00:12
मंगल		सिंह	मघा	01:14:03
बुध		तुला	स्वाति	11:02:55
गुरु		सिंह	मघा	01:34:33
शुक्र		कन्या	चित्रा	28:39:47
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:16:41
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:56:22
केतु	व	सिंह	मघा	00:56:22
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	29:40:11

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

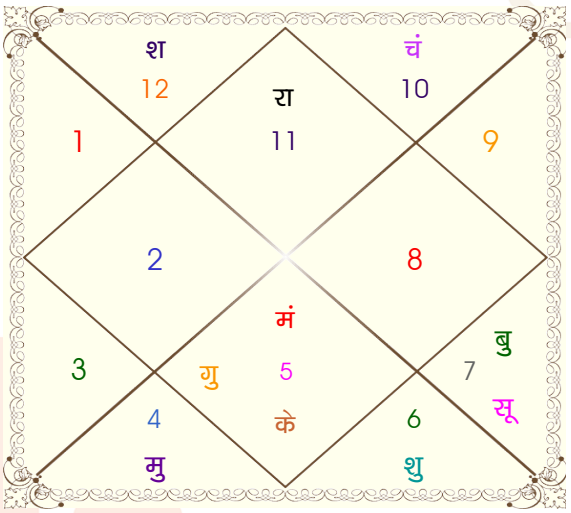

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

दशम् मास
15/12/2026 04:20:43 से 13/01/2027 15:08:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	22:16:11
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:43:32
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	02:52:42
मंगल		सिंह	मघा	12:14:21
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:55:07
गुरु	व	सिंह	मघा	02:46:56
शुक्र		तुला	स्वाति	13:34:09
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:42:33
राहु		मकर	धनिष्ठा	27:58:33
केतु		कर्क	आश्लेषा	27:58:33
मुंथा		सिंह	मघा	02:10:11

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

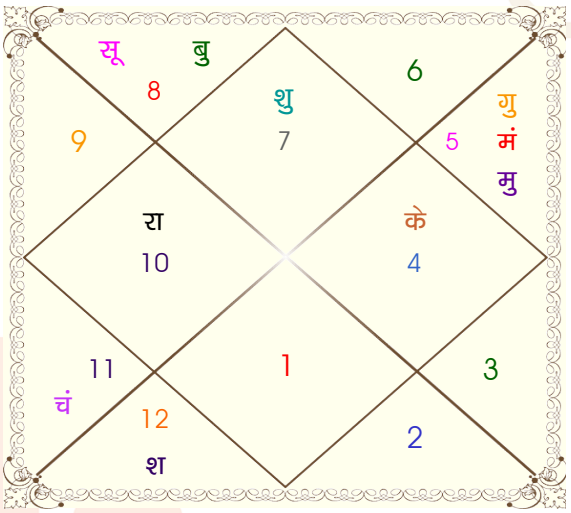

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रूचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

एकादश मास

13/01/2027 15:08:44 से 12/02/2027 03:54:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	24:40:23
सूर्य		धनु	उत्तराषाढ़ा	28:43:32
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:43:48
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:08:19
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:00:37
गुरु	व	सिंह	मघा	01:13:49
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	12:08:45
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:41:35
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:30:05
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:30:05
मुंथा		सिंह	मघा	04:40:11

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

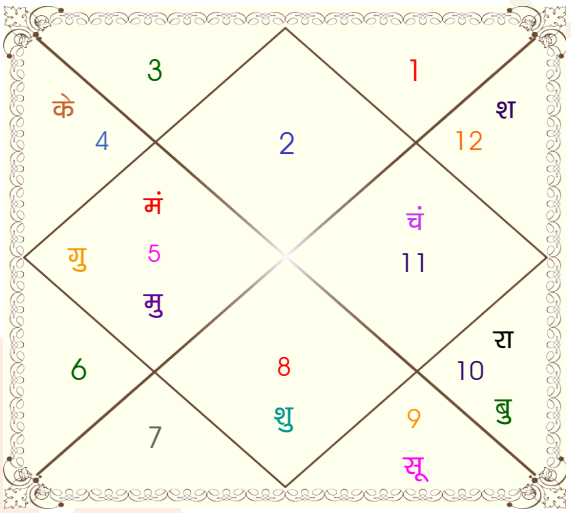

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

12/02/2027 03:54:20 से 14/03/2027 00:19:36 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	07:00:31
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	28:43:32
चन्द्र		मीन	रेवती	29:01:30
मंगल	व	सिंह	मघा	09:32:51
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	11:18:23
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	27:40:46
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:22:44
शनि		मीन	रेवती	17:01:59
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:17:03
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:17:03
मुंथा		सिंह	मघा	07:10:11

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

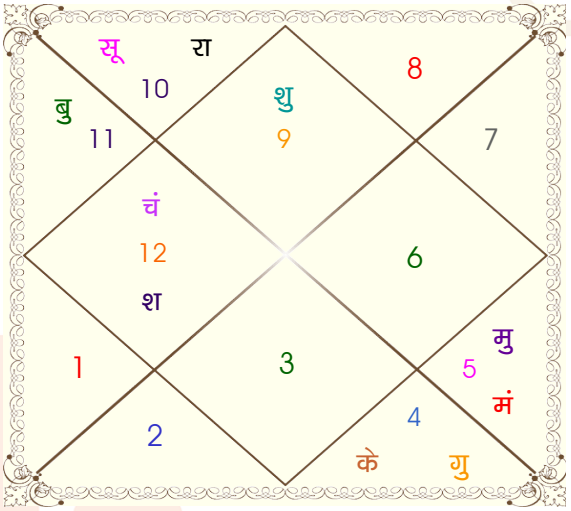

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। आपके घर में इस मास में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। सन्तति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी अनन्य श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। समाज में सर्वत्र इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाग्योन्नति संबधी शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे।आपकी बुद्धि इस समय निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी इस मास में योग बनेगा ।साथ ही सरकारी तंत्र से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा अन्य कारणों से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी।अतः शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा अपने कार्य कलापों को बुद्धिमता से सम्पन्न करें।